केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
भोपाल संभाग
मैदा मिल के सामने, भोपाल–462 011
दूरभाषकमांक 2550728(क्ण्ड)
2551678 (. स.आ.)
2551699 (प्र.अ./ले.प.एवं ले.अ.)
फैक्स: 0755–2553126
ई–मेल:acbhopal@yahoo.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

F.DO/2015-16 / केविसं / क्षे.का.भो / दिनांक 27.08.2015

प्रिय प्राचार्यगण,

सफल व्यक्ति स्वयं में विश्वास रखते हैं । एक ही विचार उनकी नसों में और दिमाग में गतिमान रहता है । सफल व्यक्तियों का एक ही मंत्र रहता है कि–**''मुझे पूरा विश्वास है कि मैं सफल हो जाउंगा'' ''मुझे पूरा यकीन है कि, सफलता मिलेगी''।** यही वह तरीका है जिससे स्वयं को जीतने का विश्वास दिलाते रहना है और जीत हासिल करते जानी है। यही वह स्वर है ,जो सफल व्यक्ति स्वयं को अवगत कराते रहते हैं ।

1 आप विश्वास नहीं कर सकते यह आप पर भी लागू होता है । यह अहंकार का चरम दर्शाता है किन्तु स्वयं का आंकलन करें । आपको अभिलाषा, आशावाद से परिपूर्ण, कार्य पूर्ण करने की उत्सुकता से युक्त नित्य प्रातः उठना और काम में जुट जाने का विश्वास किस प्रकार हो जाता है । यह इसलिए नहीं कि क्योंकि आप स्वरचित ऊंची सफलताएं एवं विगत में जो भी विफलताऐं झेली हैं उन्हें अपने चिंतन में दोहरा रहे हैं । इसके विपरीत आपने अपनी गल्तियों को सुधार लिया है एवं इसके बदले अपनी सफलताओं का प्रदर्शन करने की ठानी है। । यदि आप उन अधिकतर व्यक्तियों में से हैं, जिन्हें मैं जानता हूं तो आप सफलता पर ही अपना घ्यान केन्द्रित करते हैं, अपने प्रदर्शन की उन छवियों को याद रखते है जहां आप स्टार थे और जहाँ आपने सबको अचंभित कर सबसे उंचा मुकाम हासिल किया । इसे इस वर्ष भी दोहराया जाये, जबकि आपके पास ऐसा करने के लिए उचित कार्यक्षेत्र हैं (कौन अपने मस्तिष्क को इस विचार से प्रकाशित नहीं करेगा?) । यह शायद एक निपुण शिल्पकार की रचना की भांति केन्द्रीय विद्यालयों को भेजे जाने वाले उपायुक्त द्वारा सभी की सराहना एवं भर्त्सना पूर्ण अर्द्धशासकीय पत्र की तरह ही होना चाहिए । (कौन अपने खाली समय में उस अर्द्धशासकीय पत्र को पुनः पुनः नहीं पढना चाहेगा?) जो भी प्रमाणित है उसका सुखद अंत हमे श्रेष्ठ दर्शाता है। हम इसे अपने लिए फिर दोहरायेंगे एवं जो भी सुनना चाहेगा उसे फिर बताऐंगे ।

आप अपने सफल मित्रों में उनके द्वारा दोहराई गई कहानियों के माध्यम से इसी प्रकार की मनोदशा पाएंगे। क्या वे अपनी विफलताओं को याद करते रहते हैं या सफलताओं के किस्से याद रखते हैं? यदि वे आपके सफल मित्र है तो निश्चित ही वे अपनी सफलताओं को ही चिंतन में रखने वाले लोग होंगे ।

जब हम अपने मन में स्वयं के प्रति विफलताओं की ग्लानि के स्थान पर स्वयं को प्रेरित करने वाले भाव को स्थान देते हैं, तब यही गुण हमें उत्कृष्ट बनाता है। उसके बिना प्रातः उठने में हम समर्थ नहीं हो पाएगें।

2 यह कहने का दूसरा तरीका है कि ''मुझे पूरा विश्वास है, मैं सफल हो जाऊंगा''। सफल व्यक्ति को यह भरोसा होता है कि उनके अंदर वह क्षमता है, जिससे वे सफलता को प्राप्त कर सकते हैं । यह एक जादुई आनंद की तरह नहीं है जिसमें जादूगर अपने दिमाग से वस्तुओं अथवा टेबल को इधर उधर करता है या स्टील को मोड़ लेता है। परंन्तु उसके निकट ही है। यथार्थ में विश्वास रखने वाले आपके जैसे सफल व्यक्ति अपने आत्मविश्वास की ताकत से परिस्थितियों का रूख अपनी ओर मोड़ सकते हैं ।

यही कारण है जब उपायुक्त द्वारा यह पूछा जाता है कि कौन स्वयं आगे बढकर सफलता को उठाने के लिए तैयार है तो कुछ प्राचार्य आगे बढकर कहते हैं कि 'मुझे कोच में शामिल करिए'। जबकि कुछ प्राचार्य पीछे छिप जाते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उन पर घ्यान ना जाये। स्वयं को प्रभावी एवं सफल बनाने की आदर्श परिभाषा यही है और वर्तमान वर्ष में इसी प्रकार का आत्मविश्वास ही आपको बड़ी सफलता की ओर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा ।

3 इस सप्ताह अल्पावधि में ही क्षेत्रीय खेलकूद सम्मेलन 2015 का सफल आयोजन करके आप अपने आत्मविश्वास का परिचय दे चुके हैं और साथ ही केविसं राष्ट्रीय खेल स्थलों पर आने जाने के रेल टिकिट की कन्फर्म बुकिंग करवाने में भी आपने सफलता अर्जित की है । जहाँ आपके आत्मविश्वास ने ही इस आयोजन को सफल बनाने में आपकी मदद की, आपने इस सीमित समय में उपलब्ध अवसरों को खोजा, वहीं कुछ लोग इन्हीं परिस्थितियों से भयभीत हो जाते हैं। इस दोहरे उत्कृष्ट कार्य संपादन के लिए शुभकामनाएं । क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी के रूप में दिन-रात आपके सानिध्य में कार्य करते हुए इस कार्यक्रम में न केवल आपकी योग्यता सिद्ध हुई है, अपितु मुझे भी बहुत कुछ सीखने का अवसर प्राप्त हुआ ।

मेरा आपसे अनुरोध है कि इस अर्द्धशासकीय पत्र को शिक्षकों से साझा करिए। (सभी को एक प्रति दें) ।

शुभकामनाओं सहित,

यह पत्र उपायुक्त महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 22.08.2015 के हिन्दी अनुवाद का प्रयास है।

सादर,

(डा. (श्रीमती) बी.कौर)
सहायक आयुक्त

प्राचार्य
समस्त केन्द्रीय विद्यालय,
भोपाल संभाग

प्रतिलिपिः-

सहायक आयुक्त, के.वि.सं., भोपाल संभाग को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु।